

इस मैन्युअल के बारे में

जनवकालत की रणनीतियों पर आधारित *ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स* (टी.ओ.टी) मैन्युअल को हिन्दु कुश-हिमालय क्षेत्र में सामुदायिक संगठनों के सम्भावित प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण कार्यशालाओं में उपयोग हेतु बनाया गया है। यह प्रयास किया गया है कि यह मैन्युअल संक्षिप्त, सरल, और रोचक हो जिससे कि सहभागी, कम समय में, जनवकालत के विभिन्न पहलुओं पर जानकारी प्राप्त कर सकें।

यह आशा की जाती है कि यह टी.ओ.टी. मैन्युअल प्रशिक्षकों को निम्न विचार बिन्दुओं पर प्रशिक्षण देने में सहायक होगी,

- जनवकालत की धारणाओं और उसकी विभिन्न रणनीतियों को समझना
- जनवकालत की धारणाओं और प्रयासों से सम्बन्धित, हिन्दु कुश-हिमालय क्षेत्र के विभिन्न भागों के, अनुभवों को बांटना
- जनवकालत के विभिन्न तरीकों और तकनीकों का विश्लेषण
- नेटवर्किंग और गठबन्धन द्वारा, हिन्दु कुश-हिमालय क्षेत्र में, जनवकालत के संसाधनों को बढ़ाने में योगदान देना और
- इस क्षेत्र के सामुदायिक संगठनों के लिए जनवकालत की धारणाओं और तरीकों पर क्षमता निर्माण कार्यक्रमों को क्रियान्वित करने के तरीकों का विकास करना।

प्रशिक्षण की आवश्यकताओं और स्तर के आधार पर इस मैन्युअल के विभिन्न प्रशिक्षण सत्रों को, इसी प्रारूप में या थोड़े बदलाव के बाद, जनवकालत की रणनीतियों पर स्थानीय स्तर के प्रशिक्षण देने के लिए उपयोग किया जा सकता है।

इस टी.ओ.टी. मैन्युअल के सभी प्रशिक्षण सत्रों को सहभागी केन्द्रित सिद्धान्तों के आधार पर बनाया गया है। यह अपेक्षा की गयी है कि सहभागी प्रत्येक प्रशिक्षण सत्र में एक सक्रिय भूमिका निभायेंगे। सुगमकर्ता चर्चाओं का संचालन सहभागितापूर्ण तरीकों द्वारा करेंगे, जैसे कि, *ब्रेनस्टार्मिंग*, समूह चर्चा, नाटक, *कैस-स्टडीज* और प्रश्न-उत्तर सत्रों द्वारा। इस मैन्युअल में, दैनिक समीक्षा के अलावा, पांच दिन में बीस सत्र हैं। प्रत्येक सत्र की अवधि एक से दो घंटे के बीच है। जो संस्था कार्यशाला का आयोजन कर रही उसका कुछ जगह पर उल्लेख किया गया है। इस पुस्तिका में उसको ऐसी कार्यशाला के संदेश में दर्शाया गया है। आयोजनकर्ता इसको अपने अनुरूप बदल सकते हैं। विभिन्न सत्रों की रूपरेखा तकरीबन समान हैं और प्रत्येक में निम्न जानकारी दी गयी है।

शीर्षक: प्रत्येक सत्र के प्रारम्भ में सत्र का शीर्षक लिखा है, यह उस सत्र के मुख्य विषयों का वर्णन करता है।

समय : सत्र का न्यूनतम निर्धारित समय, सत्र के प्रथम पृष्ठ के दायें कोने में लिखा है।

सत्र का सम्पूर्ण उद्देश्य: यह सत्र के केन्द्रीय भाव एवं चर्चा के द्वारा प्राप्त होने वाली कुशलताओं का वर्णन करता है।

गतिविधियाँ: सत्र के उदार शीर्षक के अन्तर्गत दी जाने वाली जानकारी को विभिन्न गतिविधियों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक गतिविधि की एक निश्चित समय सीमा है। कोष्ठक चिन्ह में सत्र की गतिविधियों का संचित समय दर्शाया गया है।

अग्रिम तैयारी: यह सत्र से पहले सुगमकर्ताओं द्वारा की जाने वाली तैयारी के बारे में समझाता है।

सत्र के लिए आवश्यक सामग्री: इसका संदर्भ संसाधन सामग्री से है। सभी *हैण्डआऊट* एवं प्रस्तुतिकरण सेटों का यहां पर क्रमिक विवरण दिया गया है। क्रमांक की प्रथम संख्या सत्र का क्रम है तथा द्वितीय संख्या उस सत्र में प्रस्तुति हेतु सामग्री का क्रम है। उदाहरण के लिए, अगर '8.3' किसी पन्ने पर दर्शित है तो '8' का अर्थ है सत्र 8 और '3' का अर्थ है सत्र 8 की संसाधन सामग्री का क्रमवार तीसरा भाग।

अन्य सामग्री: विशेष सत्र के लिए अन्य आवश्यक सामग्री यहां पर उल्लेखित है। क्योंकि वही सामग्री हमेशा प्रशिक्षण स्थल पर उपलब्ध होगी, इसलिए, सत्र 1 में दी गयी सूची सभी सत्रों के लिए उपयुक्त होगी। अगर अन्य किसी सामग्री की आवश्यकता पड़ती है तो आप इस स्थान पर उसे लिख सकते हैं।

सुगमकर्ताओं के लिए सुझाव यहां पर सत्र की प्रक्रियाओं की चर्चा की गयी है। सुगमकर्ता उल्लेखित प्रक्रियाओं द्वारा सत्र का संचालन कर सकता है। सुगमकर्ताओं के लिए विशेष सुझाव अलग खानों (बाक्स) में दिये गये हैं।

इस टी.ओ.टी *मैनुअल* के साथ में एक *रिसोर्स मैनुअल* भी विकसित की गयी है जिसके द्वारा सम्भावित प्रशिक्षकों को विषय के संदर्भ में और विस्तृत जानकारी मिल सकेगी। यह दोनों *मैनुअल* एक दूसरे के पूरक हैं। इस टी.ओ.टी *मैनुअल* में जानकारी को संक्षिप्त बिन्दुओं के रूप में दिया गया है जिससे कि प्रशिक्षक उनकी नकल कर उनका उपयोग सीधे प्रशिक्षण सत्रों में कर सकते हैं। वहीं *रिसोर्स मैनुअल* टी.ओ.टी *मैनुअल* में दिये गये बिन्दुओं पर विस्तृत जानकारी देती है जिससे कि प्रशिक्षक इन विचारों के बारे में गहरायी से जान सके।

प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यशाला की पूरी रूपरेखा निम्न पृष्ठों पर दी गयी है।

जनवकालत की रणनीतियों पर प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण (TOT) कार्यशाला का पाठ्यक्रम

प्रथम दिवस				
समय	सत्र की विषय-सूची	उद्देश्य	विधि	सामग्री
2 घंटे	<p>1. पंजीकरण, प्रारम्भ एवं परिचय</p> <ul style="list-style-type: none"> पंजीकरण प्रारम्भ परिचय (सहभागितापूर्ण तरीके से करें) सहभागियों की अपेक्षाएं उद्देश्य/अपेक्षाएं, विषय-सूची और "प्रारंभिक लॉट" प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं विषय-सूची का विवरण लॉजिस्टिक्स एवं नियम 	<ul style="list-style-type: none"> सहभागियों एवं संदर्भ व्यक्तियों का पंजीकरण सभी सहभागियों एवं संदर्भ व्यक्तियों का पारस्परिक परिचय सहभागियों की अपेक्षाओं को लिखना कार्यशाला के उद्देश्यों का सहभागियों की अपेक्षाओं से सहसम्बन्ध स्थापित करना। नियम निर्धारित करना एवं लॉजिस्टिक्स और अन्य विषयों पर स्पष्टीकरण देना। 	आईसब्रेकर खेल एवं प्रस्तुतिकरण	प्रशिक्षण के दौरान हर दिन प्रयोग की जाने वाली सामग्री (लिखने के लिए पेड़स, कलम, अखबार, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, मेडा कार्ड आदि) मुन्बारे, घागे, कागज
2 घंटे	<p>2. प्रशिक्षण का संदर्भ</p> <ul style="list-style-type: none"> प्रशिक्षण संदर्भ का प्रस्तुतिकरण लक्ष्य, उद्देश्य एवं गतिविधियों की प्रणाली (कार्यशाला के संदर्भ में) जनवकालत में क्षमता निर्माण की आवश्यकता अपेक्षाओं पर चर्चा (कार्यशाला के संदर्भ में) संदर्भ विश्लेषण 	<ul style="list-style-type: none"> जनवकालत में क्षमता निर्माण के संदर्भ को समझाएं इस गतिविधि के लक्ष्य, उद्देश्य एवं कार्यान्वित करने के तरीके को समझाएं (कार्यशाला के संदर्भ में) हिन्दु कुश-हिमालय क्षेत्र में प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यशाला की आवश्यकता के बारे में बताना इस प्रशिक्षण से अपेक्षाएं (कार्यशाला के संदर्भ में) सहभागियों के कार्यक्षेत्रों के संदर्भ का विश्लेषण 	प्रस्तुतिकरण, चर्चा एवं छोटे समूह में चर्चा	तैयार किया गया संक्षिप्त विवरण
1.5 घंटे	<p>3. सामुदायिक विकास क्षेत्र में मूलभूत बदलाव आवश्यकता- आधारित शैली विरुद्ध अधिकार-आधारित शैली</p> <ul style="list-style-type: none"> विकास की शैलियों की संक्षिप्त समीक्षा विकास की परिकल्पना तुलनात्मक विश्लेषण "अधिकार" एवं "आवश्यकताओं" के बीच तुलना 	<ul style="list-style-type: none"> कल्याण की शैली के लाभ एवं कमजोरियों की समीक्षा परिवर्तन की शैली की उपलब्धियों एवं सीमाओं का मूल्यांकन अधिकार-आधारित शैली की आवश्यकता एवं जनवकालत से इसके सम्बन्ध को समझाएं 	प्रश्न-उत्तर	पहले से तैयार कुछ प्रतिमान
1.5 घंटे	<p>4. सामाजिक संरचना एवं सत्ता का संतुलन</p> <ul style="list-style-type: none"> सत्ता के विश्लेषण का महत्व सामाजिक संरचनाओं का विश्लेषण संदर्भ विश्लेषण (छोटा समूह कार्य) 	<ul style="list-style-type: none"> विकास कार्य में सत्ता विश्लेषण के महत्व की समझ बढ़ाना हिन्दु कुश- हिमालय देशों के पर्वतीय क्षेत्रों की प्रभावशाली संस्थाओं को पहचानना पर्वतीय समाज में सत्ता संतुलन को समझना समाज के उन कमजोर वर्गों की पहचान जिनको सद्द करने की आवश्यकता है 	प्रश्न-उत्तर और चर्चा, X Y खेल समूह कार्य	पहले से तैयार सत्ता के प्रतिमान

द्वितीय दिवस				
समय	सत्र की विषय-सूची	उद्देश्य	विधि	सामग्री
2 घंटे	5. जनवकालत-अर्थ एवं उद्देश्य <ul style="list-style-type: none"> • दैनिक समीक्षा • जनवकालत की परिभाषा • जनवकालत के उद्देश्य व मकसद • क्या जनवकालत नहीं है? • समग्र चर्चा एवं निष्कर्ष 	<ul style="list-style-type: none"> • प्रशिक्षण के प्रथम दिवस की समीक्षा • जनवकालत की विभिन्न परिभाषाओं का वर्णन • स्थानीय संदर्भों में प्रासंगिकता का वर्णन • पहचान करें क्या जनवकालत है और क्या जनवकालत नहीं है 	छोटा समूह कार्य, प्रस्तुतिकरण एवं प्रश्न उत्तर	पहले से तैयार प्रस्तुतिकरण सामग्री
2 घंटे	6. जनवकालत का उत्तम अभिशासन से सम्बन्ध <ul style="list-style-type: none"> • उत्तम अभिशासन की धारणा • उत्तम अभिशासन में अवरोध • अवरोधों पर समूह कार्य 	<ul style="list-style-type: none"> • उत्तम अभिशासन की विशेषताओं की पहचान करना • स्थानीय स्तर पर उत्तम अभिशासन के अवरोधों का विश्लेषण • इन अवरोधों को हटाने हेतु जनवकालत की आवश्यकता पर प्रतिबिम्ब 	स्नोबौलिंग प्रश्न-उत्तर समूह कार्य	अभिशासन पर प्रस्तुतिकरण सेट
2 घंटे	7. मुद्दे की पहचान एवं विश्लेषण <ul style="list-style-type: none"> • जनवकालत के तर्कपूर्ण चरण • समूह कार्य के लिए मुद्दों की पहचान • युक्तियों का प्रस्तुतिकरण 	<ul style="list-style-type: none"> • जनवकालत के प्रयासों की आधारशिला को दोहराना • मुद्दों की पहचान के तरीकों का वर्णन • योजना के संदर्भ में प्रत्येक क्षेत्र से कम से कम एक मुद्दे को पहचानें 	प्रस्तुतिकरण, प्रश्न-उत्तर, एवं छोटे समूह में चर्चा	अभिशासन की विशेषताओं पर प्रस्तुतिकरण सेट
2 घंटे	8. खुला सत्र	<ul style="list-style-type: none"> • सीखने की प्रक्रिया में रिक्त स्थानों को भरना या फिर छोटी फील्ड विजिट • अन्तरराष्ट्रीय समूहों के लिए - मनोरंजन एवं / या प्रशिक्षण स्थल के नजदीक की किसी संस्था का भ्रमण 		
तृतीय दिवस				
2 घंटे	9. नीतिगत मुद्दे, परिकल्पना एवं लक्ष्य का चयन <ul style="list-style-type: none"> • दैनिक समीक्षा • मुद्दों, परिकल्पना एवं लक्ष्य का चयन • परिकल्पना एवं निर्माण की प्रक्रिया • एक मुद्दे के लिए परिकल्पना एवं लक्ष्य की रचना 	<ul style="list-style-type: none"> • नीतिगत मुद्दे की चयन प्रक्रियाओं की समीक्षा, जिन पर पूर्व दिवस/सत्र में चर्चा हुई थी • जनवकालत के प्रयास के लिए परिकल्पना एवं लक्ष्य की रचना करने की प्रक्रिया का वर्णन • पूर्व सत्र में चयनित एक मुद्दे के लिए अपनी परिकल्पना व लक्ष्य निर्धारित करें। 	“कल्पना” सत्र, छोटी समूह चर्चा और समग्र चर्चा	प्रस्तुतिकरण सेट
1.5 घंटे	10. लक्षित श्रोताओं, सहयोगियों एवं विरोधियों का चयन <ul style="list-style-type: none"> • गेंद लुढ़काने का अभ्यास • समूह कार्य • प्रस्तुतिकरण एवं चर्चा 	<ul style="list-style-type: none"> • श्रोताओं एवं विरोधियों की पहचान की प्रक्रिया का वर्णन • लक्षित श्रोताओं एवं सहयोगियों की पहचान करते समय ध्यान देने योग्य बातें • विरोधियों को पहचानना 	प्रस्तुतिकरण एवं छोटी समूह चर्चा	प्रस्तुतिकरण सेट

1.5 घंटे	11. गठबन्धन निर्माण एवं <i>नेटवर्किंग</i> <ul style="list-style-type: none"> गठबन्धन की आवश्यकता एवं प्रकार अच्छे गठबन्धन हेतु ध्यान देने योग्य बिन्दु गठबन्धन व <i>नेटवर्क</i> में अन्तर 	<ul style="list-style-type: none"> जनवकालत के लिए गठबन्धनों के महत्व का वर्णन <i>नेटवर्किंग</i> के लिए महत्वपूर्ण तथ्यों की पहचान गठबन्धन व <i>नेटवर्क</i> में अन्तर स्पष्ट करें 	नाटक और समग्र चर्चा	प्रस्तुतिकरण सेट
1.5 घंटे	12. <i>मीडिया</i> द्वारा जनवकालत <ul style="list-style-type: none"> जनवकालत में <i>मीडिया</i> की आवश्यकता और महत्व <i>मीडिया</i> के चयन में ध्यान देने योग्य तत्व 	<ul style="list-style-type: none"> जनवकालत में <i>मीडिया</i> के महत्व का वर्णन <i>मीडिया</i> के चयन में ध्यान देने योग्य तत्वों की पहचान विभिन्न देशों से <i>मीडिया</i> द्वारा जनवकालत के अनुभवों को बांटना 	प्रस्तुतिकरण एवं प्रश्न-उत्तर	प्रस्तुतिकरण सेट
चतुर्थ दिवस				
2 घंटे	13. जनवकालत की रणनीतियों का चयन: भूमिकाएँ, आवश्यक संदेश एवं गतिविधियाँ <ul style="list-style-type: none"> दैनिक समीक्षा नाटक आवश्यक भूमिकाओं एवं संदेशों पर प्रस्तुति प्रस्तुत की गयी युक्तियों पर समग्र चर्चा 	<ul style="list-style-type: none"> जनवकालत के प्रयासों में विभिन्न व्यक्तियों की भूमिका निर्धारण करने की प्रक्रिया को समझाना जनवकालत के लिए आवश्यक संदेशों की रचना करते समय ध्यान रखने योग्य घटकों की पहचान विभिन्न मुद्दों के लिए जनवकालत की गतिविधियों का चयन करने की प्रक्रिया को समझाना 	प्रस्तुतिकरण एवं प्रश्न-उत्तर	प्रस्तुतिकरण सेट
2 घंटे	14. गतिविधियों, समय सीमा एवं बजट पर समूह कार्य <ul style="list-style-type: none"> <i>आइसब्रेकर्स</i>-समूह नृत्य गतिविधियों, समय सीमा एवं बजट पर समूह कार्य प्रस्तुतिकरण एवं चर्चा 	<ul style="list-style-type: none"> परिस्थिति के आधार पर जनवकालत को प्रारम्भ करने में विभिन्न व्यक्तियों की भूमिका का चयन परिस्थिति के आधार पर मुख्य गतिविधियों, समय सीमा एवं बजट को परिभाषित करें 	<i>केस स्टडीज</i> एवं छोटे समूह में चर्चा	पहले से तैयार किये गये केस
1.5 घंटे	15. जनवकालत के प्रयासों का अनुश्रवण एवं मूल्यांकन <ul style="list-style-type: none"> अनुश्रवण एवं मूल्यांकन के सिद्धान्त <i>केस स्टडी</i> की समीक्षा समग्र चर्चा 	<ul style="list-style-type: none"> जनवकालत को नियोजन के एक सामान्य माध्यम के उपयुक्त बनाने के तरीकों को समझाना जनवकालत के प्रयासों के अनुश्रवण एवं मूल्यांकन की कुछ युक्तियों को समझाना 	<i>केस स्टडीज</i> एवं छोटे समूह में चर्चा	<i>केस स्टडीज</i>
1.5 घंटे	16. जनवकालत की <i>बॉटम लाईन</i> और वार्ता की रणनीतियाँ <ul style="list-style-type: none"> जनवकालत की <i>बॉटम लाईन</i> जनवकालत में वार्ता की रणनीतियाँ 	<ul style="list-style-type: none"> जनवकालत के प्रयासों में <i>बाटम लाईन</i> (न्यूनतम आधार) के बारे में समझाना <i>बाटम लाईन</i> में ध्यान देने योग्य घटकों को पहचानना जनवकालत में वार्ता की रणनीतियाँ बनाते समय ध्यान देने योग्य घटकों के बारे में समझाना 	नाटक एवं प्रश्न-उत्तर	तैयार किये गये नाटक की भूमिकाएँ

पंचम दिवस				
समय	सत्र की विषय-सूची	उद्देश्य	विधि	सामग्री
2 घंटे	17. जनवकालत के तरीके : जनवकालत के प्रयासों के लिए आधुनिक तरीके • दैनिक समीक्षा • तरीकों के चयन के लिए समूह कार्य • तरीकों पर प्रस्तुतिकरण	<ul style="list-style-type: none"> विभिन्न परिपेक्षों में किये जाने वाले जनवकालत के व्यवहारिक तरीकों का वर्णन जनवकालत के प्रमुख तरीकों का प्रयोग करते समय ध्यान देने योग्य तत्व विभिन्न देशों के अनुभवों के माध्यम से नये तरीकों की खोज करें 	प्रस्तुतिकरण एवं छोटे समूहों में चर्चा	प्रस्तुतिकरण सेट
1.5 घंटे	18. जनवकालत के तरीके : जनवकालत के प्रयासों के लिए कुछ तकनीक • जनवकालत की तकनीकों का प्रस्तुतिकरण • समग्र चर्चा	<ul style="list-style-type: none"> विभिन्न परिपेक्षों में प्रयोग की जाने वाली तकनीकों की जानकारी सहभागियों के अनुभवों के आधार पर कुछ नयी तकनीकों की पहचान 	प्रस्तुतिकरण एवं छोटे समूहों में चर्चा	प्रस्तुतिकरण सेट
1.5 घंटे	19. जनवकालत के प्रयासों के लिए राष्ट्रीय- स्तर की रणनीतियाँ- घर लौटने के बाद की योजना • इस विचार का परिचय • रणनीतियों के गठन हेतु समूह कार्य	<ul style="list-style-type: none"> जनवकालत की राष्ट्र/राज्य स्तरीय रणनीतियाँ बनाना राष्ट्र/राज्य स्तरीय रणनीतियों के आधार पर संस्थागत-स्तर की रणनीतियाँ बनाना 	राष्ट्रीय/राज्य समूह चर्चा	चयनित केंस एवं मुद्दे
2 घंटे	20. प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन • जनवकालत की बुनियाद • प्रशिक्षण का मूल्यांकन • सहभागियों से प्रत्युत्तर प्राप्त करना • अनौपचारिक समापन समारोह/गतिविधि	<ul style="list-style-type: none"> जनवकालत के प्रयासों की बुनियादों का वर्णन करना-प्रशिक्षण का सारांश प्रशिक्षण का मूल्यांकन प्रत्युत्तर एकत्र करना प्रशिक्षण सम्बन्धी विचारों का आदान-प्रदान औपचारिक समापन समारोह 	समग्र चर्चा	मूल्यांकन सम्बन्धी कागज